इंडस्ट्री को भरोसा, शुगर के इंपोर्ट की जरूरत नहीं पड़ेगी

[माधवी सैली | नई दिल्ली]

मार्केटिंग ईयर 2016-17 में देश का शुगर प्रॉडक्शन 2.4 करोड़ टन तक पहुंचने का अनुमान है। मार्केटिंग ईयर की शुरुआत 1 अक्टूबर से होती है। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (आईएसएमए) के मुताबिक, फिलहाल देश में 75 लाख टन का शुगर स्टॉक मौजूद है और ऐसे में शुगर की कमीं होने की आशंका बिल्कुल नहीं है। रिटेल में शुगर की कीमतें 40-42 रुपये प्रति किलो रहने का अनुमान है।

दुनिया में शुगर की सबसे ज्यादा खपत भारत में ही होती है और यहां इसकी सालाना खपत 2.5 करोड़ टन के आसपास है। इनमें से 70-75 फीसदी खपत संस्थानों और कंपनियों की तरफ से होती है।

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट तरुण साहनी ने बताया, 'हमारे देश में पर्याप्त शुगर का स्टॉक है। ईख की मौजूदा फसल को देखते हुए हम कह सकते हैं कि 2016-17 में शुगर का प्रॉडक्शन 2.4 टन रहेगा। इस आंकड़े को लेकर तस्वीर जुलाई में और साफ हो सकेगी।'

- **इंडियन शुगर** मिल्स एसोसिएशन (आईएसएमए) के मुताबिक, फिलहाल देश में 75 लाख टन का शुगर स्टॉक मौजूद है और ऐसे में शुगर की कमी होने की आशंका बिल्कुल नहीं है

उन्होंने बताया कि 30 सितंबर के मुताबिक सीजन का शुगर क्लोजिंग बैलेंस 75 लाख टन हो सकता है, जिससे घरेलू कंज्यूमर्स के लिए सप्लाई सुनिश्चित हो सकेगी। साहनी ने कहा, 'ऐसी हालत में हमें अगले 24 महीनों में इंपोर्ट की जरूरत नहीं पड़ने की उम्मीद है।'

उनका यह भी कहना था कि वे इस साल उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में गन्ने के बेहतर प्रॉडक्शन की उम्मीद कर रहे हैं, जबकि इंडस्ट्री को लगता है कि महाराष्ट्र और नॉर्दर्न कर्नाटक में प्रॉडक्शन अपेक्षाकृत कम होगा। गन्ने का पेराई सीजन 1 अक्टूबर से शुरू होता है और यह अप्रैल 2016 तक जारी रहा। उन्होंने बताया, 'अच्छी मॉनसूनी बारिश से प्रॉडक्शन को बढ़ाने में मदद मिलेगी।'

इस बीच, फूड मिनिस्ट्री के बयान में भी कहा गया है कि 2016-17 के सीजन में शुगर प्रॉडक्शन 2.3-2.4 करोड़ टन रहने का अनुमान है। कुछ दिन पहले मिनिस्ट्री की तरफ से जारी बयान में कहा गया था, 'मौजूदा शुगर सीजन में तकरीबन 73 लाख का स्टॉक बचेगा। घरेलू खपत के लिए शुगर की उपलब्धता 3-3.1 करोड़ होगी और बचे हुए स्टॉक और शुगर प्रॉडक्शन से जरूरत पूरी हो जाएगी।'

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन के मुताबिक, 30 सितंबर को खत्म मार्केटिंग ईयर 2015-16 में देश में शुगर का प्रॉडक्शन एक साल पहले के मुकाबले 11 फीसदी की गिरावट के साथ 2.5 करोड़ टन रहने का अनुमान है।

The Economic Times (Hindi)
10-5-16